मूर्ख था! मैंने यहाँ एक बहुत बड़ा व्यापार खड़ा किया था। परन्तु वहाँ मैं कंगाल होऊँगा!"

आपको उनके समान होने की आवश्यकता नहीं है... यीशु के मित्र बनिए। वह आपके हाथों को थामेगा और आपको उज्वल अनन्तता में पहुँचाएगा जहाँ आप हमेशा के लिए जिएँगे और यीशु और उसके भक्तों के साथ आनन्ददायक संगति रखेंगे!

अभी यीशु से प्रार्थना कीजिएः "यीशु, मैं एक पापी हूँ! मेरे पापों को क्षमा कीजिए। मुझे अपना मित्र बनाईए... इस संसार में जीने में मेरी सहायता कीजिए और कब्र के पार भी अपनी संगति का मुझे भरोसा दीजिए... आमीन!"

यीशु में,

आपका साजू जॉन मेथ्यू

visit: www.sjmathew.com

सच्चे मित्र, हम आपकी सहायता के लिए उपलब्ध हैं ताकि आप यीशु के साथ अपनी अनन्तता का निर्माण करें। हमें फोन करने में संकोच न करें।

पा. एस. एस. दीप - 094252 48285
email: jesusmission@gmail.com

साँक्चुअरी वर्ड मीड़िया,
पोस्ट बॉक्स - 27, बिलासपुर, छ. ग.

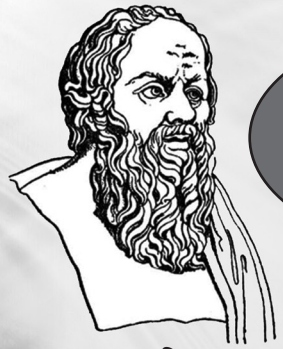

यात्रीगण कृपया ध्यान दें

एक बालक विद्यालय जा रहा था।

"बेटे तुम कहाँ जा रहे हो?" सड़क किनारे खड़े एक वृद्ध व्यक्ति ने पूछा। उनका कद नाटा था, उनका माथा चौड़ा था और उनकी लम्बी दाढ़ी थी।

"दादा, मैं पढ़ने जा रहा हूँ।" बालक ने सामान्य सा उत्तर दिया।

"उसके बाद क्या करोगे?"उस व्यक्ति ने पुनः प्रश्न किया।

"उसके बाद घर जाऊँगा, और क्या?" बालक ने तनिक आश्चर्य व्यक्त करते हुए कहा। किन्तु उसने सिर उठाना भी न चाहा!

जब बालक चलता रहा, तो यह वृद्ध व्यक्ति उससे बातें करते रहेः "घर से विद्यालय और विद्यालय से घर...। अच्छी बात है, एक दिन तुम्हारी पढ़ाई खत्म हो जाएगी तब तुम क्या करोगे?" वह वृद्ध

व्यक्ति उसे कुरेदने का प्रयास करने लगे।

बालक ठिठक गया। "पढ़ाई पूरी करने के पश्चात् मुझे अच्छी नौकरी मिलेगी और शायद मैं नौकरी करने लगूँगा। मैं दफ्तर जाने लगूँगा!"

"ठीक है, नौकरी... घर... नौकरी... घर... और इसके आगे क्या?" वृद्ध व्यक्ति जान गए थे कि अब बालक उनकी बाता पर ध्यान दे रहा है।

"शादी होगी और बच्चे होंगे और उन्हें पढ़ाएँगे और वे अच्छी नौकरियाँ पाएँगे और वे शादी करेंगे...।"

"और एक दिन तुम बूढ़े हो जाओगे और तब?"

"तब किसी दिन मैं मर जाऊँगा।" बालक मृत्यु के विषय में सोचना नहीं चाहता था। परन्तु वह जानता था... कि यह वास्तविकता है।

"सच है मेरे बेटे! किसी दिन तुम मर जाओगे और तुम्हारे बच्चे तुम्हें कन्धा देंगे... तब तुम कहाँ जाओगे?"

अब बालक सच में परेशान हो गया था। मृत्यु के बाद... क्या? बालक के पास उस प्रश्न का कोई उत्तर नहीं था।

सड़क के किनारे का वह व्यक्ति सुक्रात थे जो अपने समय के महान दार्शनिक थे जिन्होंने कइयों को अनन्तता के विषय में सोचने के लिए मजबूर किया था। सच है, हम भूल जाते हैं। और तो और शैतान हमें भूलने देता है - और हम मृत्यु के बाद अपने जीवन के विषय में भूलावे में रहते हैं।

जीवन एक यात्रा है और हम सभी व्यस्त हैं। परन्तु हम कहीं नहीं पहुँचते हैं। हर एक दृश्य वस्तु का अन्त कब्रिस्तान में हो जाता है। विज्ञान भी इसके आगे कुछ नहीं कहता है और इतिहास ने इस विषय में कुछ भी दर्ज नहीं किया है। हालाँकि, कब्रिस्तान वह जगह नहीं है जहाँ सब कुछ समाप्त हो जाता है। एक अदृश्य संसार है, जहाँ हम सभी को परमेश्वर और उसके न्याय का सामना करना है! क्या आप इसके लिए तैयार हैं? अरे! क्या आप भयभीत हैं?

सच में हम जानते हैं कि यहाँ एक अधर्मी जीवन व्यतीत करने के कारण परमेश्वर के धार्मिक न्याय का सामना करने के लिए हम तैयार नहीं हैं। हम पापी थे और हमेशा पापी हैं...! हालाँकि, आपके लिए शुभ-सन्देश है। प्रभु यीशु मसीह स्वर्ग से इस पृथ्वी पर आया, ताकि आनन्द के साथ अनन्तता में प्रवेश करने में हमारी सहायता करे। आपके पापों को क्षमा करने के लिए वह तैयार और इच्छुक है। और आपको अपना मित्र बनाकर वह बहुत आनन्दित होगा! यदि आप यीशु के मित्र हैं, तो आपको मृत्यु से डरने की आवश्यकता नहीं है...। वह आपको ग्रहण करेगा और अनन्तता में उसके साथ आनन्दपूर्वक रहने में आपकी सहायता करेगा!

अपने धनी पिता की मृत्युशैय्या के पास खड़ी छोटी बालिका ने पूछाः "पिताजी, क्या आप हमेशा के लिए जा रहे हैं?" "ाँ बेटी, और मुझे भय है कि तुम मुझे फिर कभी नहीं देखोगी।" तब छोट ी बालिका ने उनसे पूछाः "क्या वहाँ आपके पास सुन्दर घर और बहुत सारे मित्र हैं?" संसार में सफल जीवन व्यतीत करनेवाला वह धनी व्यक्ति क्षणभर के लिए मौन रहा और कहा। "मैं कितना